भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
06.08.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2967 का उत्तर

मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स सुविधाओं के लिए कार्गो टर्मिनल

2967. श्री राजीव प्रताप रूडी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) केंद्रीय बजट 2022-23 में घोषणा के बाद से मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स सुविधाओं के लिए कितने कार्गो टर्मिनल स्थापित किए गए हैं, जबकि पिछले तीन वर्षों के दौरान 100 टर्मिनल विकसित करने का मूल लक्ष्य था;

(ख) इन नव स्थापित कार्गो टर्मिनलों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है, जिसमें स्थान, परिचालन स्थिति और प्रमुख वस्तुओं का संचालन शामिल है;

(ग) क्या बिहार में, विशेष रूप से पटना, सारण जैसे जिलों या अन्य रणनीतिक लॉजिस्टिक्स केंद्रों में ऐसे कोई टर्मिनल चालू/निर्माणाधीन हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) इन नए टर्मिनलों के चालू होने के बाद से इनके माध्यम से संभाले गए कार्गो की कुल मात्रा और लॉजिस्टिक्स लागत और समय में कमी सहित समग्र माल ढुलाई दक्षता पर इसका प्रभाव क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने इन टर्मिनलों के माध्यम से मल्टीमॉडल परिवहन की ओर बदलाव के परिणामस्वरूप पर्यावरणीय लाभों (जैसे सड़क भीड़भाड़ और कार्बन उत्सर्जन में कमी) का कोई आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): अब तक, 100 गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनलों (जीसीटी) के लक्ष्य की तुलना में 112 गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनलों को कमीशन किया गया है। इनमें बिहार

के पाँच (05) गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल शामिल हैं, जिनका विवरण निम्नानुसार है-

क्र. सं.	स्थान/सेवित स्टेशन	जिला
1	बरौनी-गढ़हरा	बेगूसराय
2	खुदीराम बोस पूसा	समस्तीपुर
3	जोगियारा	दरभंगा
4	पसराहा	खगड़िया
5	चौसा	बक्सर

कमीशन किए गए गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनलों पर प्रबंधित की जाने वाली मुख्य वस्तुएं कोयला, कंटेनर, खाद्यान्न, उर्वरक, सीमेंट, क्रेन परेषण, पेट्रोलियम और ऑटोमोबाइल आदि हैं। इन गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनलों पर उनकी कमीशनिंग से अब तक कुल 301.7 मिलियन टन यातायात प्रबंधित किया गया है।

इष्टतम रेल अवसंरचना हासिल करने के लिए रूकौनियों को कम करके 'इंजन-ऑन-लोड' परिचालन के साथ गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनलों को विकसित किया जा रहा है और उन्हें मशीनीकृत लदान, साइलो आदि जैसे कार्गो के कुशल प्रबंधन के लिए आधुनिक सुविधाओं से भी लैस किया गया है, जो प्रबंधन के समय को कम करने में सहायता करती हैं।

गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनलों को भारतीय रेल के मॉडल शेयर को बढ़ाने के उद्देश्य से विकसित किया जा रहा है। सड़क परिवहन की तुलना में रेल परिवहन कम कार्बन उत्सर्जन, ऊर्जा दक्षता और कम भीड़भाड़ के कारण स्वाभाविक रूप से अधिक पर्यावरण अनुकूल है। रेल परिवहन की लागत न केवल सड़क परिवहन की तुलना में आधे से भी कम है, बल्कि इसका कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन भी सड़क परिवहन की तुलना में 90 प्रतिशत कम है। यातायात को सड़क परिवहन से रेल परिवहन पर स्थानांतरित करने से भारत को बड़े पैमाने पर अपनी अर्थव्यवस्था को कार्बन-मुक्त करने में मदद मिल रही है। वर्ष 2014 के स्तर की तुलना में, 2,672 एमटी से अधिक माल ढुलाई सड़क से रेल पर स्थानांतरित हुई है, जिसके परिणामस्वरूप कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में 143.3 मिलियन टन की कमी आई है।

*****